महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शान्ति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com
बी.एस.मिरगे
जनसम्पर्क अधिकारी
B.S. Mirge
Public Relations Officer
दूरभाष/Phone : 07152-252651
फैक्स/Fax: 07152-252651
मो./Mobile: 09960562305

हिंदी विश्वविद्यालय में 'उपासमार' फिल्म का प्रदर्शन

सत्यजीत रे सिने सोसाइटी का आयोजन, फिल्म प्रोडयुसर अजय सकलानी का प्रयास

वर्धा दि. 9 मार्च 2010- अमरावती जिले के मेलघाट परिसर में व्याप्त कुपोषण की समस्या पर बनी फिल्म 'उपासमार' द टेस्ट ऑफ हंगर का प्रदर्शन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. अरविंदाक्षन प्रमुखता से उपस्थित थे। विश्वविद्यालय में स्थापित सत्यजीत रे सिने सोसाइटी के तत्वावधान में प्रदर्शित इस फिल्म का निर्माण अजय सकलानी ने किया। अजय सकलानी एक उभरते फिल्म प्रोडयुसर है जो नई दिल्ली में साइलेंट जर्नो नाम से एक प्रोडक्शन कंपनी चलाते है। इससे पहले वे हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में मीडिया असिस्टेंट के रूप में कार्यरत थे। इस फिल्म में उन्होंने मेलघाट परिसर कुपोषण से प्रभावित बच्चे और उनके परिवारों की यातनाओं को चित्रित किया है। फिल्म से संदर्भ में उन्होंने बताया कि उपासमार एक कोशिश है उन दर्द से कहारती आवाजों को देश व दुनिया तक पहुंचाने की। चमकते भारत के मध्य में स्थित मेलघाट के निवासी आज भी मूलभूत जरूरतों से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से देश में स्थित सामाजिक व्यवस्था का एक पहलु सामने लाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने अब तक दो डाक्युमेंट्री तथा तीन लघुफिल्में बनाई हैं और 15 डाक्युमेंट्रीज में सहायक निदेश के तौर पर काम किया है। उन्होंने 25 डाक्युमेंट्रीज का संपादन कर टीवी के 100 से भी अधिक रिएलिटी शोज में सहायक निदेशक के रूप में कार्य किया है। फिल्म प्रदर्शन से पूर्व सत्यजीत रे सिने सोसाइटी के प्रभारी तथा अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर राकेश मिश्र ने प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन तथा निर्माता अजय सकलानी का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर दूरशिक्षा विभाग के प्रो. संतोष भदौरिया, जनसंचार विभाग के रीडर डॉ. कृपाशंकर चौबे, नाटय एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अखिलेश दीक्षित सहित शोधार्थी एवं छात्र बडी संख्या में उपस्थित थे।

बी एस मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

ज्ञान शान्ति मैत्री
बी.एस.मिरगे
जनसम्पर्क अधिकारी
B.S. Mirge
Public Relations Officer

दूरभाष/Phone : 07152-252651
फैक्स/Fax: 07152-252651
मो./Mobile: 09960562305

शांति के लिए करें स्त्री शक्ति का प्रयोग-प्रो. इलीना सेन

हिंदी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में चर्चा
स्त्री अध्ययन विभाग का आयोजन

वर्धा दि. 9 मार्च 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के स्त्री अध्ययन विभाग की अध्यक्ष प्रो. इलीना सेन का मानना है कि अनेक जनवादी आंदोलनों में महिलाएं सक्रिय रूप से शामिल रही और उन आंदोलनों ने स्त्री शक्ति को एक नया मुकाम दिलाया है। आज के परिदृश्य में महिलाओं को चाहिए कि वे अपनी शक्ति का प्रयोग शांति के लिए करें।

प्रो. सेन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'महिलाएं और शांति' विषय पर विश्वविद्यालय के गांधी हिल पर आयोजित चर्चा में बोल रही थी। उन्होंने स्त्री संघर्ष के 150 वर्ष के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अमेरिका स्थित लारेन्स टेक्स्टाइल मिल में पहली बार महिलाओं ने जो संघर्ष किया उससे महिला मुक्ति का आगाज हुआ। उनके संघर्ष की बदौलत महिला मजदुरों का काम के आठ घंटे की मांग पूरी हो सकी। उन्होंने आहवान किया कि महिलाओं को अपने अधिकार के लिए संघर्ष करना जरूरी है परंतु वह संघर्ष शांति के रास्ते से ही होना चाहिए।

चर्चा में हिस्सा लेते हुए स्त्री अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर शंभू गुप्त ने कहा कि स्त्री आंदोलन अब परिपक्व अवस्था में आ गया है परंतु स्त्रियों के प्रति पुरूषों को अपनी सोच में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्त्री संघर्ष के इतिहास को पुनर्व्याख्यायित करने की जरूरत पर बल दिया। चर्चा में अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर राकेश मिश्र, स्त्री अध्ययन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुप्रिया पाठक, कमला थोकचोम, रेणु कुमारी ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन ममता सिंह ने किया। चर्चा के उपरांत गांधीजी की प्रतिमा के सामने कैण्डल जलाई गयी। इस अवसर पर स्त्री अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, शरद जायसवाल, साहित्य विद्यापीठ की रीडर प्रीति सागर, अखिलेश दीक्षित सहित शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

बी.एस.मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी